हिन्दी दिवस के उपलक्ष में आयोजित कार्यक्रम की रिपोर्ट

भारतीय साहित्य का परिचय अनुवाद से ही संभव : प्रो. रीतारानी पालीवाल

श्याम लाल कॉलेज के हिंदी विभाग में 13 सितंबर 2024 को हिन्दी दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों के साथ ***'अनुवाद की संस्कृति और हिन्दी'*** विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार की मुख्य वक्ता इंदिरा गांधी मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) की पूर्व प्रोफेसर रीतारानी पालीवाल थीं। वक्तव्य प्रारंभ करने से पूर्व उन्होंने कालेज तथा हिंदी विभाग के समस्त परिवार को हिन्दी दिवस की बधाई दी और कहा कि इस तरह के आयोजन हिन्दी को रोजगारपरकता से तो जोड़ते ही हैं, विद्यार्थियों को लेखन और ज्ञान की एक महान परंपरा से भी परिचित कराते हैं।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रो रीतारानी पालीवाल और विभाग के वरिष्ठ सदस्यों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से हुई। विभाग की साँस्कृतिक परंपरा का निर्वाह करते हुए विभाग के तृतीय वर्ष की विद्यार्थी प्रियांशी ने सरस्वती वंदना का गायन किया।

विभाग के प्रभारी डॉ. सत्य प्रिय पाण्डेय ने प्रो रीतारानी के लेखन और साहित्य और अनुवाद के क्षेत्र मे उनके योगदान से विद्यार्थियों को परिचित कराया । विभाग की वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉ सुजाता ने पौधा और शॉल से प्रो. पालीवाल का स्वागत किया।

प्रोफेसर रीतारानी पालीवाल ने अनुवाद की पूरी परंपरा और भारतीय साहित्य के निर्माण में इसकी भूमिका पर काफी विस्तार से अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि भारतीय साहित्य विभिन्न भाषाओं में लिखा जानेवाला अनेकता में एकता का साहित्य है। देश की सारी भाषाओं के साहित्य को आपस में जोड़नेवाली कड़ी अनुवाद ही है। उन्होंने कहा कि अगर भारतीय साहित्य से परिचित होना है, उसका अवगाहन करना है, तो अनुवाद अनिवार्य क्रिया के तौर पर हमारे सामने आता है।

अनुवाद की परंपरा का जिक्र करते हुए उन्होंने बौद्ध साहित्य के अनुवादक कुमारजीव का जिक्र किया और बताया कि कैसे उन्होंने भारतीय बौद्ध साहित्य का चीनी भाषा में सुंदर और सहज अनुवाद किया और चीन में बौद्ध धर्म के प्रसार में अपना ऐतिहासिक योगदान दिया।
काफी पहले पंचतंत्र की कहानियों का पहलवी/फारसी में अनुवाद कराया गया। मुगलों द्वारा महाभारत और रामायण का सचित्र अनुवाद करवाया गया। इसी तरह से अंग्रेजों ने वेदों से लेकर भारत के अनेक

महान ग्रंथों का अंग्रेजी में अनुवाद किया। अंग्रेजी से बांग्ला और हिन्दी में अनेक अनुवाद किए गए। बांग्ला में अंग्रेजी साहित्य के अनुवाद की परंपरा की शुरुआत हुई और अनेक उत्कृष्ट अंग्रेजी ग्रंथों का बांग्ला में अनुवाद किया गया । भारतीय नवजागरण में अनुवाद की भूमिका असंदिग्ध है। आगे चलकर बांग्ला से भी हिन्दी में अनेक अनुवाद किए गए।

इसी तरह से वाल्मीकि रामायण, जो कि मूल रामायण है, अनुवाद के माध्यम से ही देश ही नहीं दुनिया की कई भाषाओं में पहुंची और कवि कल्पना से उसने दुनिया के विभिन्न कोनों में अलग-अलग रूप और कथा-तत्व ग्रहण किया। दुनिया में 300 से ज्यादा रामायण अनुवाद की संस्कृति की ही देन हैं।

आइरिश कवि यीट्स ने उपनिषदों का अनुवाद किया, जिसे इन ग्रंथों का सर्वश्रेष्ठ अनुवाद माना जाता है। खय्याम की रुबाइयों का फिट्जेरल्ड ने अंग्रेजी में अनुवाद किया और इससे प्रेरणा लेकर अंग्रेजी से हिन्दी में अनेक लेखकों ने इसका अनुवाद किया, जिसमें हरिवंश राय बच्चन द्वारा किया गया अनुवाद सबसे प्रसिद्ध है। निर्मल वर्मा ने सीधे चेक भाषा से कई सुंदर साहित्यिक रचनाओं का हिन्दी में अनुवाद किया। दुनियाभर के साहित्य और ज्ञान के अनुवाद ने ज्ञान के प्रसार और उसके लोकतांत्रिकी करण में अहम भूमिका निभाई है। भारत जैसे भाषाई विविधता वाले देश में अनुवाद का महत्व जितना बताया जाए, उतना कम है।

उन्होंने बताया कि अनुवाद भाषा सीखने में भी मदद करता है। अपने जापान प्रवास का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि जापान में रहते हुए उन्होंने अनुवाद के माध्यम से जापानी सीखी और वहां की लोककथाओं का हिन्दी में अनुवाद किया। जापान ही नहीं पूरे दक्षिण पूर्वी एशिया में जो बौद्ध धर्म फैला है, वहां भगवान बुद्ध के संदेशों को पालि से अनुवाद करके ही अपनाया गया है।

संगोष्ठी के अंत मे हिंदी विभाग के वरिष्ठ शिक्षक डॉ प्रभात शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम का संचालन विभाग के विद्यार्थी हर्षवर्धन सिंह द्वारा किया गया।

हिन्दी दिवस के अवसर पर 'विकसित भारत के निर्माण में हिंदी की भूमिका' विषय पर एक निबंध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें कॉलेज के विभिन्न विभागों के लगभग 30 विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार स्वरूप पुस्तकों का सेट प्रदान किया गया। इस प्रतियोगिता में मुस्कान सविता, अनुष्का थपलियाल को क्रमशः प्रथम एवं द्वितीय पुरस्कार और और शनि कुमार तथा अमन कुमार पांडेय को तृतीय पुरस्कार दिया गया।

हिन्दी दिवस के अवसर पर कॉलेज के हिन्दी विभाग के विद्यार्थियों द्वारा हिन्दी साहित्य के निर्माता साहित्यकारों एवं हिन्दी सेवियों पर एक सुंदर प्रदर्शनी भी आयोजित की गई और हिन्दी दिवस को विषय बनाकर विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई भित्ति पत्रिका 'अभिव्यंजना' का विमोचन किया गया। भित्ति पत्रिका का विमोचन प्रोफेसर रीतारानी पालीवाल के हाथों सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में 100 से ज्यादा विद्याथियों, शिक्षकों एवं शोधार्थियों ने भाग लिया.

हिन्दी साहित्य सभा एवं आईक्यूएसी
श्यामलाल कॉलेज
हिन्दी दिवस के अवसर पर विशेष आयोजन
13 सितंबर, 2024
निबंध लेखन प्रतियोगिता
विकसित भारत के निर्माण में हिन्दी की भूमिका
समय : 10:00 बजे
स्थान : बोर्ड रूम
एक दिवसीय संगोष्ठी
अनुवाद की संस्कृति और हिन्दी
समय : 12:30 बजे
स्थान : बोर्ड रूम

NOTICE
NO SMOKING

हिन्दी साहित्य सभा एवं आईक्यूएसी
श्यामलाल कॉलेज
हिन्दी दिवस के अवसर पर विशेष आयोजन
13 सितंबर, 2024
निबंध लेखन प्रतियोगिता
विकसित भारत के निर्माण में हिन्दी की भूमिका
समय : 10:00 बजे
स्थान : बोर्ड रूम

हिन्दी साहित्य सभा एवं आईक्यूएसी
श्यामलाल कॉलेज
हिन्दी दिवस के अवसर पर विशेष आयोजन
13 सितंबर, 2024
निबंध लेखन प्रतियोगिता
विकसित भारत के निर्माण में हिन्दी की भूमिका
समय : 10:00 बजे
स्थान : बोर्ड रूम
एक दिवसीय संगोष्ठी
अनुवाद की संस्कृति और हिन्दी
वक्ता : प्रो. रीतारानी पालीवाल
पूर्व प्रोफ़ेसर, इग्नू
समय : 12:30 बजे
स्थान : बोर्ड रूम
प्रो. कुशा तिवारी
निदेशक, आईक्यूएसी
सत्यप्रिय पाण्डेय
रीतारानी पालीवाल

हिन्दी साहित्य सभा एवं आईक्यूएसी
श्यामलाल कॉलेज
हिन्दी दिवस के अवसर पर विशेष आयोजन
13 सितंबर, 2024
निबंध लेखन प्रतियोगिता
विकसित भारत के निर्माण में हिन्दी की भूमिका
समय : 10:00 बजे
स्थान : बोर्ड रूम
एक दिवसीय संगोष्ठी
अनुवाद की संस्कृति और हिन्दी
वक्ता : प्रो. रीतारानी पालीवाल
पूर्व प्रोफ़ेसर, इग्नू
समय : 12:30 बजे
स्थान : बोर्ड रूम
सत्यप्रिय पाण्डेय
रीतारानी पालीवाल
GPS Map Camera
Delhi, Delhi, India
F5, Dwarkapuri, Shahdara, Delhi, 110032, India
Lat 28.674561°
Long 77.281996°
13/09/24 02:13 PM GMT +05:30
Google

श्यामलाल कॉलेज
हिन्दी दिवस के अवसर पर विशेष आयोजन
13 सितंबर, 2024

हिन्दी दिवस के अवसर पर विशेष आयोजन
13 सितंबर, 2024
विकसित भारत के निर्माण में
हिन्दी की भूमिका
एक दिवसीय संगोष्ठी
अनुवाद की संस्कृति और हिन्दी
सत्यप्रिय पाण्डेय
GPS Map Camera
Delhi, Delhi, India
F5, Dwarkapuri, Shahdara, Delhi, 110032, India
Lat 28.674566°
Long 77.281997°
13/09/24 02:14 PM GMT +05:30
Google

SHYAM LAL COLLEG